क्या मंत्री महोदय एश्योर करेंगे कि गांवों में लोगों की पूरी हैल्थ फैसिलिटीज दी जायेगी ? मैडिकल कालेजिज में जब एडमिशन दिया जाता है तब क्या एक यह कन्डीशन भी लगाई जायेगी कि डाक्टर बनने के बाद उनको पहले पहल तीन चार साल के लिए गांवों में जाकर सर्व करना होगा और उसके बाद उन्हें शहरों में सर्व करने का मौका दिया जायेगा ?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: This is really a very very valuable suggestion. It is really a very good suggestion that has been made by the hon. Member.

श्री दौलत राम सारण : एक बहुत ही खतरनाक सुझाव दिया गया है । यह कहा गया है कि डाक्टर बनने के बाद वे लोग दो तीन साल गांवों में काम करें । जब अनुभवहीन होते हैं उस वक्त तो अनुभव प्राप्त करने के लिए उनको गांवों में भेज दिया जाये और जब उनको अनुभव प्राप्त हो जाये तो उनको शहरों में ले आया जाये तो यह एक बहुत खतरनाक बात होगी । क्या सरकार किसी भी डाक्टर को पहले तीन साल तक गांवों के अस्पतालों में नहीं भेजे जाने के बारे में निर्णय करेगी और केवल अनुभवी डाक्टरों को ही गांवों में भेजने की व्यवस्था करेगी ?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: As has been earlier stated, it is a good suggestion. We shall consider that.

SHRI NARAYAN CHOUBEY: First when one hon. Member said that the doctors should go to the villages first, the Minister said that it is a good suggestion. When the second hon. Member said that they should first get training in towns before being sent to the villages, the Minister said that is also a good suggestion. How can both be wise, good, suggestions? (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shrimati Dandavate:

श्रीमती प्रमिला दंडवते : मैडिकल कालेजों में प्रवेश पाने के लिए कितनी कैपिटेशन फी ली जाती है ? क्या यह भी एक कारण नहीं है कि उनको गांवों में जाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता ? क्या यह भी सही नहीं है कि मंत्री महोदय के ही होम टाउन में एक लाख रुपया कैपिटेशन फी दाखिला पाने के लिए ली जाती है ? ऐसी अवस्था में कैसे वह आशा करते हैं कि डाक्टर गांवों में जाकर काम करेंगे ।

प्राइमरी हैल्थ सैन्टर जो हैं वहां पर न तो दवाएं रहती हैं और न कुछ और साधन । इंजक्शन, ए पी सी देने के लिए गांवों में डाक्टरों की जरूरत नहीं है । ऐसी अवस्था में बेयर फुट डाक्टरों की जो स्कीम थी, उसको सुधार करके उसको चालू करने पर आप विचार करेंगे ?

SHRI B. SHANKARANAND: Though the question put by the hon. lady Member is not directly concerned with the main question, I should inform the House that I have already written to all the States that the capitation fees system should be stopped. Now, regarding certain colleges charging the capitation fees, it is not a secret thing. It has also appeared in the press. They have advertised it; it is not secret at all. That does not mean that we approve of it. (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS *rose*...

MR. SPEAKER: This has already taken so much of time. Next Question—580. Shri Krishan Dutt.

केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में आग लगना

*580. **श्री कृष्ण दत्त** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में आग लग गई थी ;

(ख) यदि हां, तो उसके परिणामस्वरूप कितनी क्षति हुई और आग से कितने मूल्य की औषधियां नष्ट हो गई ;

(ग) आग लगने के कारण क्या थे ; और

(घ) क्या देश में हाइड्रोफोबियां रोगियों के लिए टीकों की कमी है और यदि हां, तो कसौली का अनुसंधान संस्थान कब तक अधिक औषधियां बनाने लगेगा ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) Yes, Sir. A fire had broken out in the

Store Building of the Central Research Institute, Kasauli on the 16th June, 1980.

(b) No vaccine/sera (drugs) were destroyed in the fire. The loss of other Store is being estimated.

(c) The causes of the fire are being investigated.

(d) There is no shortage of anti-rabic vaccine needed for human use. The fire has also not effected the manufacture or supply of anti-rabies vaccine.

श्री कृष्ण दत्त : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि कौन सी एजेंन्सी के द्वारा इन्क्वायरी कराई जा रही है और उसमें बिल्डिंग का कितना भारी नुकसान हुआ ? क्या यह ठीक है कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को वहां से दवाई नहीं दी जा रही हैं ?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: Sir, in regard to the first part of the question, I would like to say that an inquiry committee consisting of Director, CRI and Deputy Director (Administration) is going into the matter. The godown is both at the ground floor and the first floor. The fire broke out on the first floor. The report about the total loss due to fire has not come.

श्री कृष्ण दत्त : मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी इस बात पर विचार करेंगे कि सी० बी० आई० या पुलिस के द्वारा इसकी इन्क्वायरी करें ? इससे बहुत भारी नुकसान हुआ है ।

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: The inquiry committee which has been constituted is competent to look into it. There is no need for a CBI inquiry.

DR. KARAN SINGH: Sir, in reply to the question, the hon'ble Minister has stated that as a result of this fire anti-rabies vaccine has not been affected. He has also said that there is no general shortage of anti-rabies vaccine in the country. This information is not generally correct. There is reason to believe that anti-rabies vaccine is, in fact, in short supply in many parts of the country and deaths as a result of dog-bites are going up steadily. Will the hon'ble Minister tell the House what is, in fact, the supply of anti-rabies vaccine today in India and whether this is upto the requirements of this country or not?

THE MINISTER OF EDUCATION AND HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): The hon'ble Member should look to the main question. It is mainly about the fire that broke out into the store at Kassauli.

I hope the House will remember that some time back I had answered the question about dog bite deaths and availability and supply of anti-rabies vaccine. If the hon'ble Member wants more details let him give a separate notice for it.

श्री शिवकुमार सिंह ठाकुर : मध्यप्रदेश के सभी अस्पतालों में एन्टी-रेबि वैक्सीन की कमी है, गवर्नमैन्ट ऐजेन्सी के सिवाय यह कहीं और मिलता नहीं है । मेरा प्रश्न यह है कि मध्य प्रदेश के अस्पतालों को मन्थली कितने इंजेक्शन्ज सप्लाई किए जाते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : आपका प्रश्न इस प्रश्न से कहां पैदा होता है ?

श्री शिवकुमार सिंह ठाकुर : अच्छा यह बता दें कि हिन्दुस्तान के अस्पतालों को कितने एन्टि-रेबिक वैक्सीन सप्लाई किए जाते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : यह भी इससे सम्बन्धित नहीं है ।

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR: May I know what is the time-limit for the completion of this inquiry?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: There is no time-limit as such but we expect them to give the report as early as possible.